21. वैज्ञानिक संसाधनों का चयन एवं मूल्यांकन

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल (ए. एस. आर. बी.) का वैज्ञानिकों की भर्ती हेतु भा.कृ.अ.प. का एक स्वतंत्र निकाय है। इस वर्ष की उल्लेखनीय उपलब्धि प्रारंभिक सयुंक्त प्रतियोगी परीक्षा-कृषि अनुसंधान सेवा (ए.आर.एस)* (राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा कृषि अनुसंधान सेवा) का सफलतापूर्वक आयोजन एवं संचालन करना रहा। यह प्रतियोगी परीक्षा कृ.अ.से. की मुख्य परीक्षा में बैठने की अभ्यार्थियों द्वारा (व्याख्याता/सहायक प्रोफेसर पदों के लिए) अर्हता अर्जित करने हेतु दी जाती है। यह पहला अवसर है कि इस परीक्षा में 23 विषयों को सम्मिलित किया गया। इस परीक्षा को सफलतापूर्वक पास करने के पश्चात राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (ए.ए.यू.)/अन्य कृषि विश्वविद्यालयों में नियुक्तियां की जाती हैं। मंडल को थिंक टैंक बनाने हेतु इसका पुनर्गठन किया जा रहा है जिससे कि भा.कृ.अ.प. की कार्मिक नीतियों तथा अनुसंधान व शैक्षिक कार्यक्रमों के पुनरानुकलन पर अपनी संस्तुतियाँ दे सके।

ए आर एस / नैट परीक्षा

19 सितम्बर 2010 को बोर्ड द्वारा ए.आर.एस. / नैट परीक्षा का 33 केन्द्रों पर आयोजन किया गया। परीक्षा के लिए 28,271 अभ्यार्थियों ने आवेदन किया जिनमें से कुल 21,271(75%) उम्मीदवार ही परीक्षा में बैठे। केवल 4,416 अभ्यार्थियों ने नैट परीक्षा में सफलता प्राप्त की। नैट परीक्षा में सफल अभ्यार्थियों का अनुपात केवल 1:4 ही रहा। सफल नैट अभ्यार्थियों के विवरण को चित्र संख्या 1 में दर्शाया गया है।

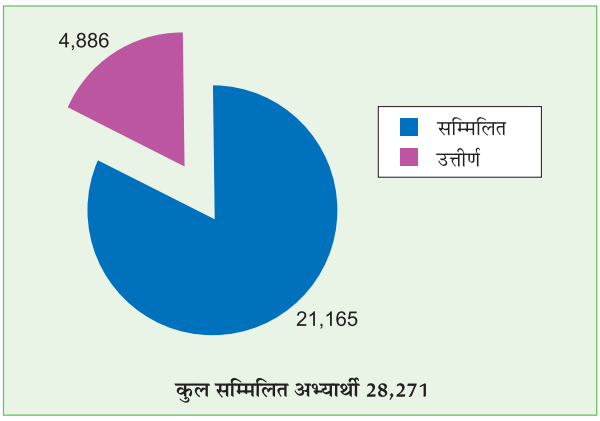

ए.आर.एस. / नैट परीक्षा का विवरण

वैयक्तिक सहायकों के लिए सीमित विभागीय परीक्षा

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (मुख्यालय) पर 8-9 जुलाई 2010 के वैयक्तिक सहायकों के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन किया गया कुल 46 अभ्यार्थियों ने इसमें भाग लिया, जिनमें से आठ (8) लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण हुए।

सीधी भर्तियां

बोर्ड ने समीक्षित वर्ष में 275 पदों की भर्ती प्रक्रिया पूरी की जिनके लिए 3,557 आवेदन प्राप्त हुए थे। इन रिक्तियों में अनुसंधान-प्रबंधन-श्रेणी (आर.एम.पी.) के 39 पद थे, 53 पद मध्य स्तर के काडर (विभागाध्यक्ष एवं संयुक्त निदेशक) के थे।

वे पद जिनके लिए बोर्ड ने भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली

पदों के नाम	पदों की संख्या	आवेदन पत्रों की संख्या	साक्षात्कार के लिए बुलाए गए अभ्यार्थी	अभ्यार्थी जिनका साक्षात्कार किया गया	चयनित अभ्यार्थी	एन.ए.एस./ एन.सी.ए.	कुल अभ्यार्थी
उप-महानिदेशक	2	32	21	17	2	0	2
सहायक महानिदेशक	9	202	96	64	9	0	9
राष्ट्रीय संस्थाओं के निदेशक	1	29	19	13	1	0	1
निदेशक	18	304	158	118	17	1	18
परियोजना निदेशक	2	42	22	16	2	0	2
क्षेत्रीय परियोजना निदेशक	6	98	40	26	5	1	6
राष्ट्रीय संस्थान के संयुक्त निदेशक	1	10	3	1	0	1	1
परियोजना समन्वयक	2	62	50	38	2	0	0
संयुक्त निदेशक	3	44	25	19	3	0	3
विभागाध्यक्ष	50	396	257	187	47	3	50
कार्यक्रम समनवयक	8	251	58	51	7	1	8
प्रमुख वैज्ञानिक	38	331	218	161	38	0	38
वरिष्ठ वैज्ञानिक	137	1,756	681	512	75	62	137
कुल योग	275	3,557	1,648	1,223	206	69	275

एन.एफ.एस: कोई भी अभ्यर्थी योग्य नहीं पाया गया, एन.सी.ए.: कोई भी अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं था।

206 मामलों में बोर्ड ने सकारात्मक अनुशंसा की और शेष पदों के लिए कोई भी अभ्यार्थी योग्य नहीं पाया (सारणी 1) गया।

इस प्रकार औसतन 4.4 अभ्यार्थी प्रति पद के लिए उपलब्ध रहे जोकि पिछले वर्ष के औसत 3.8 से बेहतर रहे। विभागाध्यक्षों एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों के पदों के लिए अभ्यार्थियों की अपलब्धता बहुत कम थी और केवल 1-3 पात्र अभ्यार्थियों के आधार पर 48% पदों पर चयन किया गया इसके अतिरिक्त केवल 1-4 पात्र अभ्यार्थियों के आधार पर 23% पदों (यथा वरिष्ठ वैज्ञानिक) पर चयन किया गया। वरिष्ठ वैज्ञनिकों के पदों की अर्हता में ढील दिए जाने के बावजूद 45% पद नहीं भरे जा सके, क्योंकि उपयुक्त अभ्यार्थी उपलब्ध नहीं हो पाए।

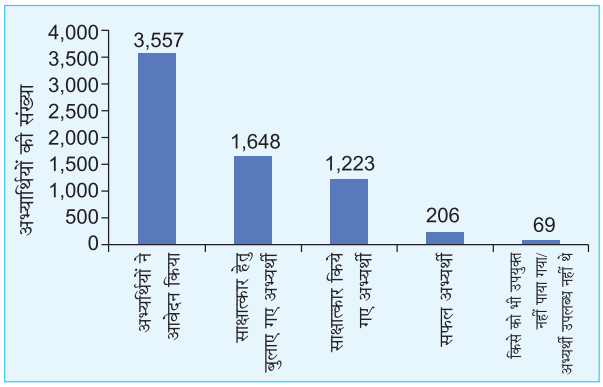

275 सीधी भर्ती के पदों का विवरण (कोई भी उपयुक्त नहीं पाया गया / कोई भी उपलब्ध नहीं था)

जीवन वृत्ति प्रगति योजना में वैज्ञानिकों को मूल्यांकन आधार पर पदोन्नति

समीक्षित वर्ष में 205 प्रस्तावों, जोकि 44 विषयों से संबंधित थे, पर विचार किया गया। मूल्यांकन पद्धति पदोन्नति के तहत कार्यकुशलता को उच्च गुणवत्ता व कोटि का पाया गया इसी कारण 80% उम्मीदवारों / अभ्यार्थियों को अगला उच्च वेतनमान देने की अनुशंसा की गई।

इन सफल अभ्यार्थियों में से 33% अभ्यार्थियों को 80% प्राप्तांक (नम्बर) मिले जबकि असफल अभ्यार्थियों का प्रतिशत 13% था जिन्हें 60% से कम प्राप्तांक (नम्बर) मिले (चित्र

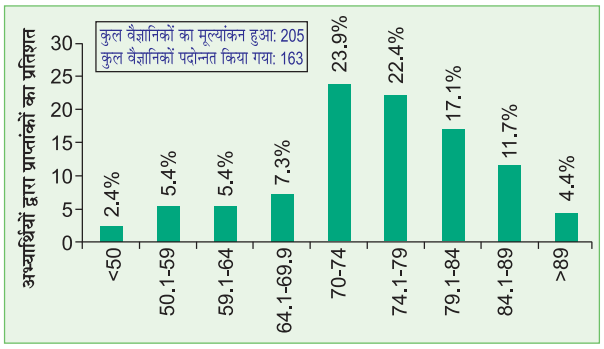

संख्या 3)। 11.7% अभ्यार्थियों के 70% से अधिक प्राप्तांक, कार्य रिपोर्ट तथा वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट के आधार पर, प्राप्त किए और वह भी साक्षात्कार होने से पूर्व जबकि 12% अभ्यार्थियों ने अपनी कार्य रिपोर्ट एवं साक्षात्कार के आधार पर 70% से अधिक अंक प्राप्त किए। लगभग 43% अभ्यार्थियों को उनकी वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट की अपेक्षा साक्षात्कार में कम अंक प्राप्त हुए और अभ्यर्थियों को 70% से कम अंक प्राप्त हुए। परन्तु साक्षात्कार तथा वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट में उनका प्रर्दशन एवं कौशल अपेक्षाकृत बेहतर रहा अत: उन्हें पदोन्नति दी गई। यह तथ्य भी निर्विवाद रुप से प्रकाश में आया कि वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (* का मूल्यांकन) अधिकतर मामलों में अन्य दो पैमानों यथा साक्षात्कार एवं अनुसंधान क्षमता परिप्रेक्ष्य अच्छा व अधिक पाया गया और इंगित करता है कि पदोन्नति का ना मिल पाना खराब वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन के कारण ही नहीं होता है।

साक्षात्कारकर्ता पुस्तिका

बोर्ड (मंडल) ने इस तथ्य को स्वीकारा कि उसे इस पद से संबंधित उत्तरदायित्वों व मूलभूत तथ्यों से परिचित होना चाहिए ताकि वे इन सभी तथ्यों व उत्तरदायित्वों को आपस में समझकर अपने दायित्वों का निर्वाह कर सकें। अत: बोर्ड ने साक्षात्कारकर्ता पुस्तिका जारी किया जिनमें सामान्य निर्देशों व तथ्यों को दिया गया ताकि साक्षात्कारकर्ता अपने-अपने दायित्वों को इन्टरव्यू प्रक्रिया के दौरान बेहतर तरीके से निर्वाह कर सकें और 'सबसे उपयुक्त' अभ्यार्थी चुने जाने के उददेश्य को पूरा किया जा सके। ❑